भजन

आज मेरे घर राज पधारे,आनन्द अंग अपार रे
धन धन भाग हमारे

1–प्रेम पांवड़े मैं डारूं पिया जी को
जियावर प्राण आधार रे

2–सुख सेज्या पर आये जियावर
बोलूं मैं जय जय कार रे

3–तन मन जीव करूं मैं न्यौछावर
पूरी है इच्छा हमार रे

4–साज सिनगार आरती उतारूं
आनन्द अंग अपार रे

5–रस पकवान बहु विध मेवा
प्रेम से भोग लगाओ रे

6–चर्चा चितवन धाम सुनाकर
जन्म मरण दुख जाये रे